टंकारा समाचार

(श्री महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मारक ट्रस्ट का मासिक पत्र)

अगस्त 2023 वर्ष 27, अंक 08 ❑ दूरभाष (दिल्ली): 23360059, 23362110 (टंकारा): 02822-287756 ❑ विक्रमी सम्वत् 2080 ❑ कुल पृष्ठ 16

ई-मेल: tankarasamachar@gmail.com ❑ एक प्रति का मूल्य 20/-रुपये ❑ वार्षिक शुल्क 200 रुपये ❑ आजीवन 1000/-रूपये

समर्पण दिवस पर विशेषांक

महात्मा हंसराज जी का पावन जन्मोत्सव सम्पन्न

वेदों के ज्ञान का प्रकाश ही भारत को विश्व गुरु बनाएगा- डॉ. पूनम सूरी

महात्मा हंसराज जी के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष में आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा एवं डीएवी प्रबंधकर्त्री समिति द्वारा डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर में समर्पण दिवस का आयोजन भव्यता और दिव्यता के साथ सकुशल संपन्न हुआ। स्कूल में आयोजित वैदिक महाकुम्भ में दस हजार से अधिक गणमान्यों की गौरवमयी उपस्थिति ने स्वामी दयानंद के विचारों को आत्मसात कर वेदों के प्रचार का संकल्प लिया। इस अवसर पर आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा एवं डीएवी प्रबंधकर्त्री समिति के प्रधान पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी जी, डीएवी कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति के उपप्रधान, निदेशक, क्षेत्रीय निदेशक, देश के विभिन्न राज्यों से आए 948 से अधिक डीएवी शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अक्षय तृतीया के पर्व पर वैदिक यज्ञ के साथ महात्मा हंसराज जी के पावन जन्मोत्सव के कार्यक्रम का आगाज़ हुआ। परम श्रद्धेय आर्य रत्न, प्रधान आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा एवं डीएवी प्रबंधकर्त्री समिति, पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी जी तथा उनकी पत्नी श्रीमती मणि सूरी जी का माल्यार्पण कर और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात् उन्होने यजमान के पद पर आसीन होकर यज्ञ ज्योति को प्रकाशित किया। **असतो मा सद्गमय तमसो मा ज्योतिर्गमय** दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ। डीएवी हरिद्वार, डीएवी देहरादून तथा बी.एम. डीएवी हरिद्वार के अध्यापक एवं अध्यापिकाओं ने 'चमका जहाँ में तू बनकर अटल सितारा' भजन प्रस्तुत किया। समस्त जनसमूह ने डीएवी गान, डीएवी जय-जय के सुर में सुर मिलाए। डॉ. सूरी ने उपस्थित संन्यासियो **स्वामी विवेकानन्द जी, स्वामी चित्तेश्वरानन्द, स्वामी केवलानन्द, स्वामी सच्चिदानन्द, स्वामी मुक्तानन्द, स्वामी प्रकाशानन्द, स्वामी गणेशानन्द, साध्वी वेदप्रिया, स्वामी आर्षदेव, स्वामी ब्रह्मचारी गणनाथ नैष्ठिक, विद्वानो डॉ. प्रशस्य मित्र, डॉ. विनय वेदालंकार, डॉ. वीरेन्द्र अलंकार, पं. विश्वामित्र आर्य जी, डॉ. दिलीप जिज्ञांसु, आचार्य करमवीर, श्री सत्येन्द्र जी**

"आर्य जगत्" पत्र के हंसराज विशेषांक का विमोचन जस्टिस प्रीतम पाल, श्री विनय आर्य, श्री सोमनाथ सचदेवा, पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी, स्वामी विवेकानन्द (प्रभात आश्रम मेरठ), श्री प्रबोध महाजन द्वारा हुआ

'टंकारा समाचार' में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण सम्बन्धित लेखक के हैं। सम्पादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

डी.ए.वी के प्रधान डॉ. पूनम सूरी जी का मुख्य द्वार पर स्वागत करते हुए डी.ए.वी के निदेशक डॉ. वी सिंह एवं श्री वी के चोपड़ा

यज्ञ पर उपस्थित डॉ. पूनम सूरी सपत्नीक (श्रीमती मणी सूरी) एवं सुपुत्र श्री योगी सूरी सपत्नीक तथा डी.ए.वी के उपप्रधान जस्टिस प्रीतमपाल सपत्नीक

यज्ञ का संचालन करते हुए डी.ए.वी पब्लिकेशन के निदेशक श्री एस. के. शर्मा

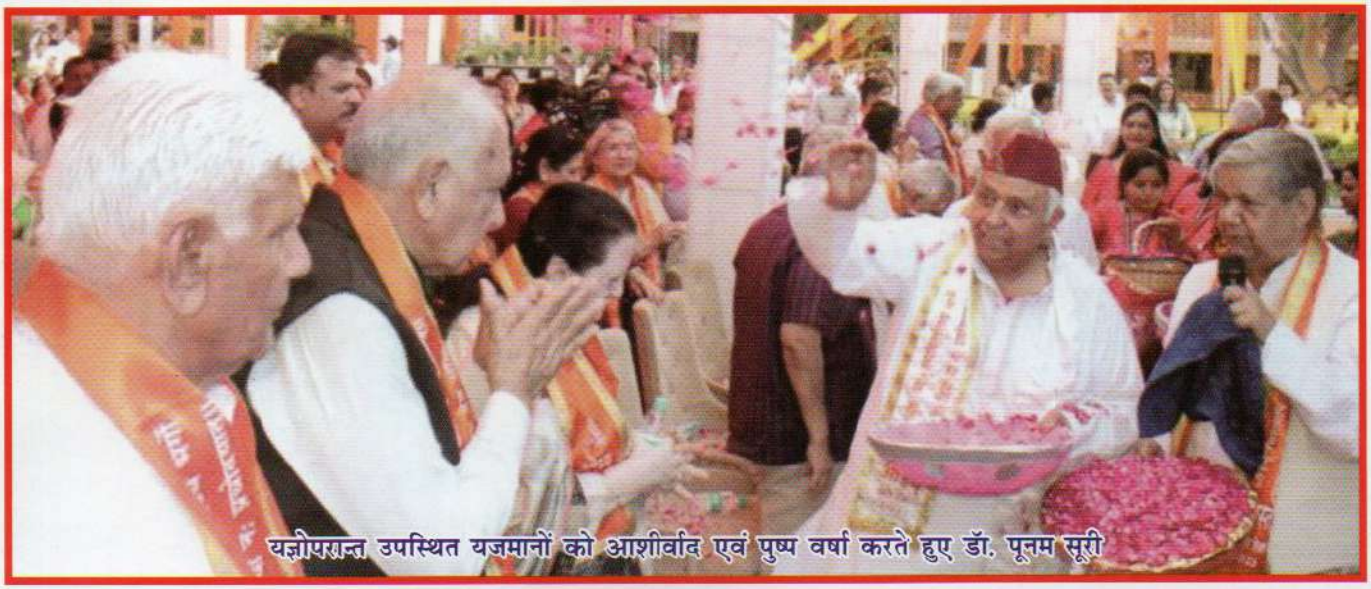

यज्ञोपरान्त उपस्थित यजमानों को आशीर्वाद एवं पुष्प वर्षा करते हुए डॉ. पूनम सूरी

उपस्थित यजमानों को वृहंगम दृश्य

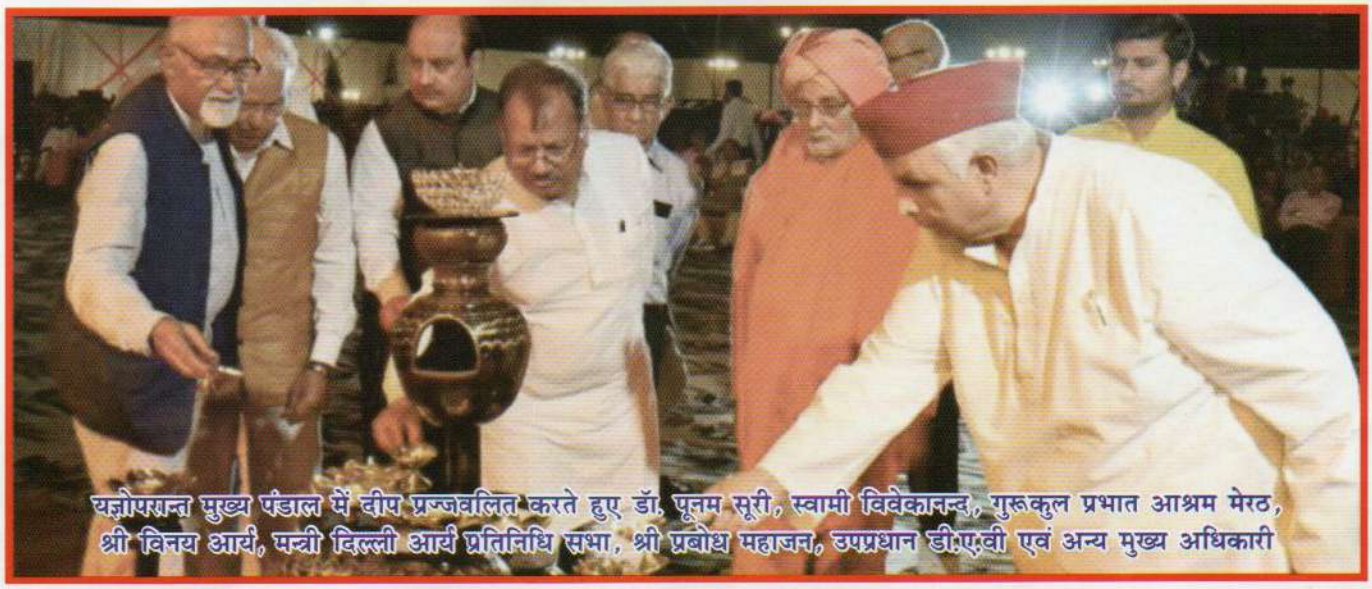

यज्ञोपरान्त मुख्य पंडाल में दीप प्रज्जवलित करते हुए डॉ. पूनम सूरी, स्वामी विवेकानन्द, गुरूकुल प्रभात आश्रम मेरठ, श्री विनय आर्य, मन्त्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री प्रबोध महाजन, उपप्रधान डी.ए.वी एवं अन्य मुख्य अधिकारी

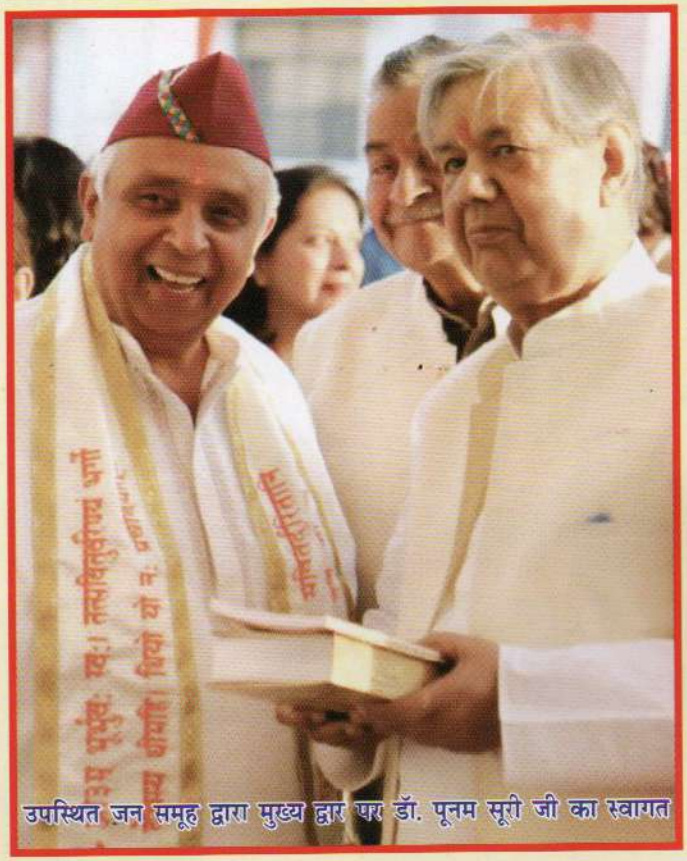

उपस्थित जन समूह द्वारा मुख्य द्वार पर डॉ. पूनम सूरी जी का स्वागत

उपस्थित जन समूह द्वारा मुख्य द्वार पर श्रीमती मणी सूरी जी का स्वागत

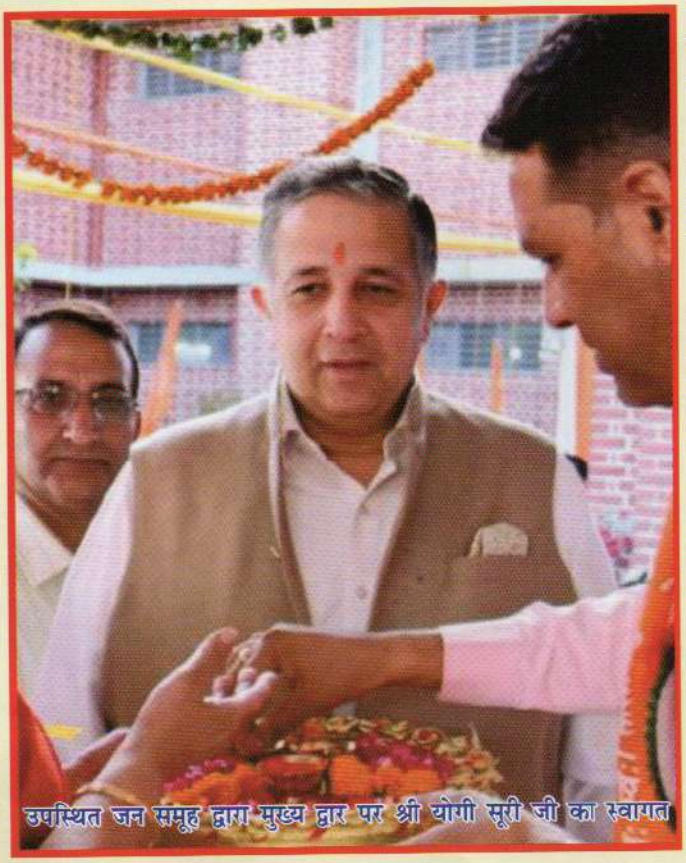

उपस्थित जन समूह द्वारा मुख्य द्वार पर श्री योगी सूरी जी का स्वागत

परिव्राजक, सुश्री कंचन आर्या, आचार्या मैत्रेयी, आचार्य वेदाकर तथा सभी गणमान्य लोगो को समृद्धि सूचक पौधा , स्मृतिचिन्ह तथा सम्मान राशि देकर सम्मानित किया।

उक्त कार्यक्रम में श्री सोमनाथ सचदेवा, कुलपति कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं महामंत्री महासचिव आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली, श्री विनय आर्या जी को विशिष्ट सम्मान से सम्मानित कर उन्हें शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया।

डीएवी विद्यालयों के प्रधानाचार्य प्रो. रमा शर्मा, श्रीमती सिम्मी जुनेजा, श्रीमति समीक्षा शर्मा एवं श्री अरूण आर्या जी को शिक्षा तथा सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें विशिष्ट सम्मान स्वरूप शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल से सम्मानित किया गया।

डॉ. पूनम सूरी जी ने 'हे प्रभु दुर्गुण मेरे हर लीजिए' भजन के माध्यम से ईश्वर से दुर्गुणों को दूर कर शुभ गुण देने की प्रार्थना की।

डॉ. सूरी जी ने समस्त जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वेदों के ज्ञान का प्रकाश ही भारत को विश्व गुरु बनाएगा, दयानन्द के विचारों को घर-घर पहुंचाना डीएवी का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि डीएवी संस्था शिक्षा, संस्कृति व संस्कारों को देने का कार्य कर रही है और वैदिक मूल्यों को डीएवी वैदिक मूल्यों को साथ लेकर चलती है। विद्या पर धर्म का अंकुश नहीं होना चाहिए। योगाभ्यास के साथ वेद प्रचार का काम अनवरत जारी रहना चाहिए। भारत को विश्व गुरु बनाने में भारतीय संस्कृति और संस्कारों को देने का कार्य डीएवी कर रहा है। जब तक आर्य समाज

मंच पर उपस्थित डी.ए.वी के अधिकारियों एवं विशेष आमन्त्रित महानुभावों का स्वागत

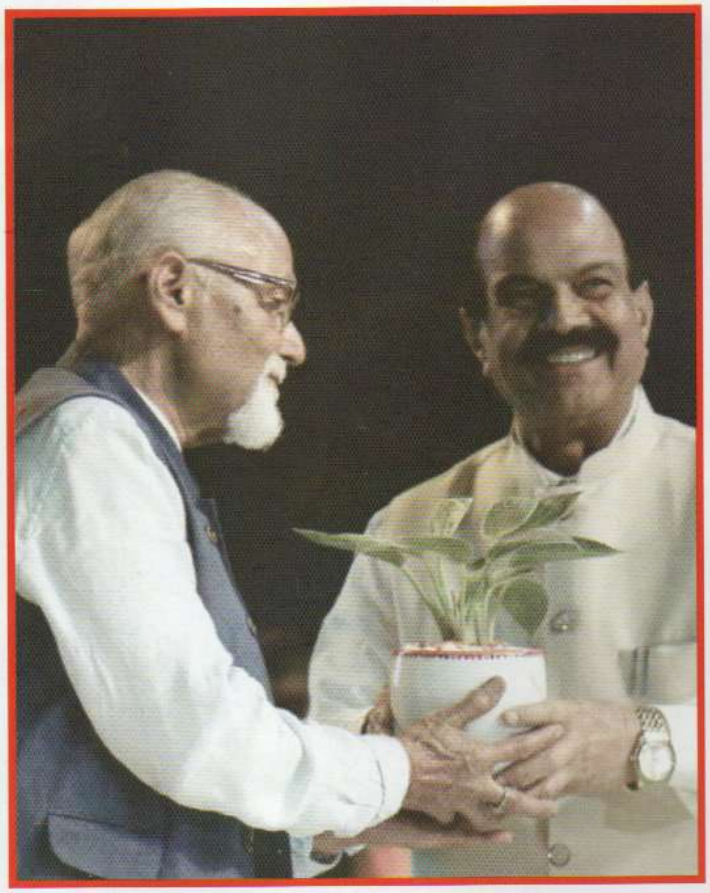

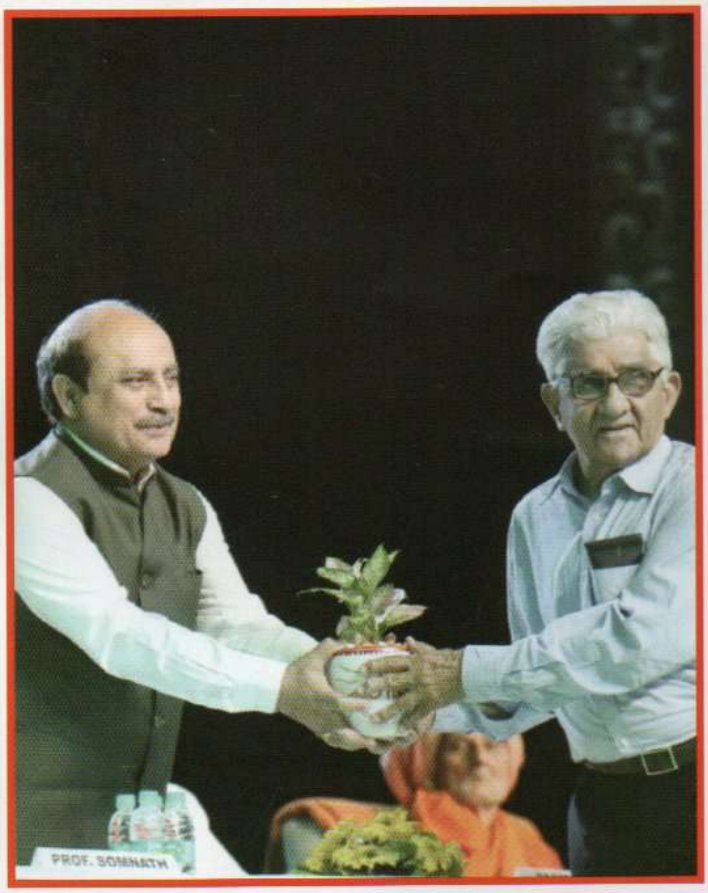

समारोह में आमन्त्रित विद्वानों एवं संन्यासीवृन्दों को प्रशस्ति पत्र एवं मानराशि से सम्मानित करते हुए डी.ए.वी के प्रधान डॉ पूनम सूरी

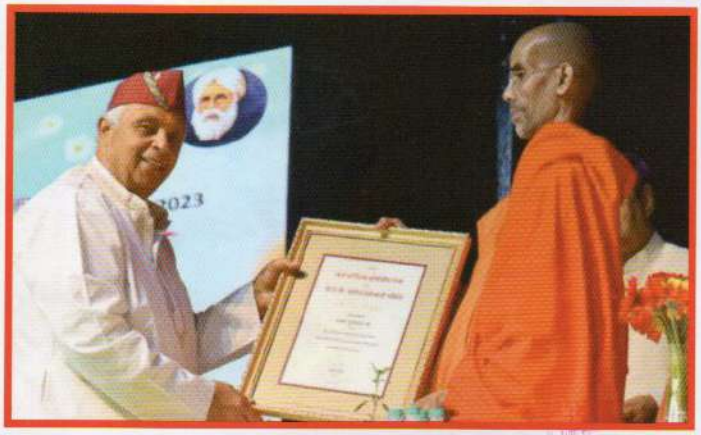

समारोह में आमन्त्रित विद्वानों एवं संन्यासीवृन्दों को प्रशस्ति पत्र एवं मानराशि से सम्मानित करते हुए डी.ए.वी के प्रधान डॉ पूनम सूरी

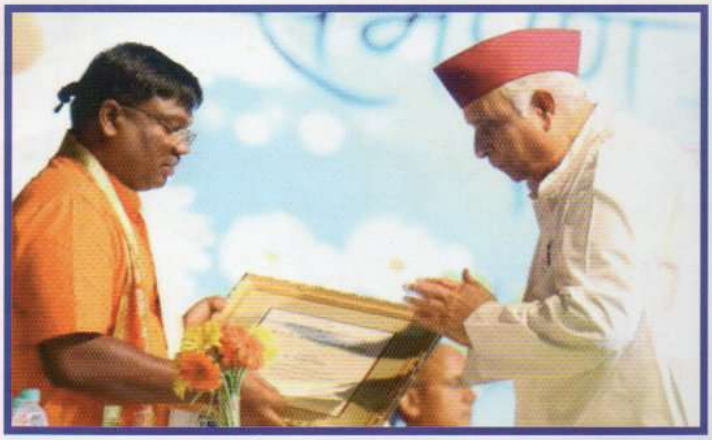

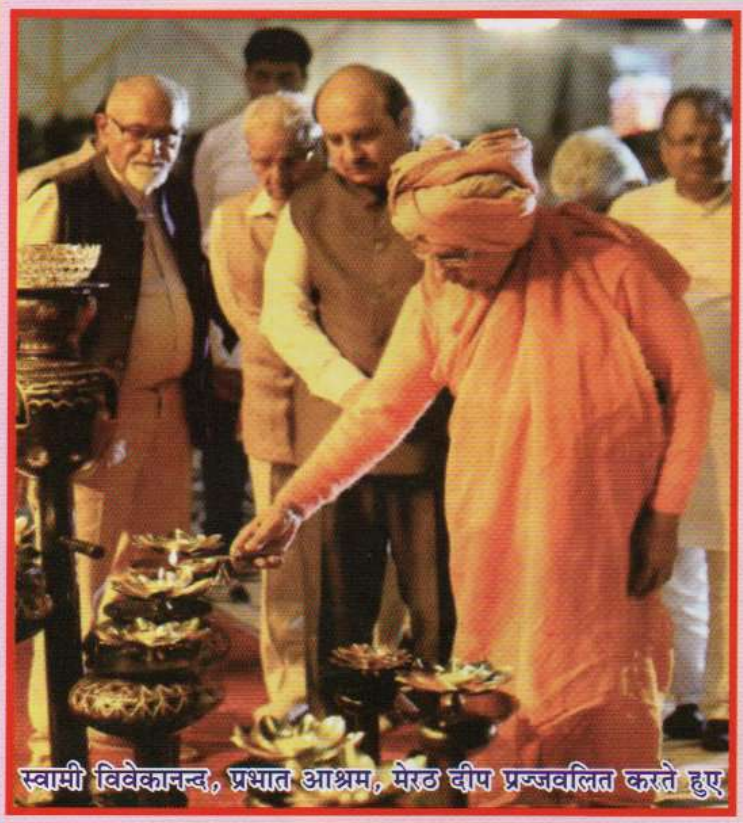

स्वामी विवेकानन्द, प्रभात आश्रम, मेरठ दीप प्रज्जवलित करते हुए

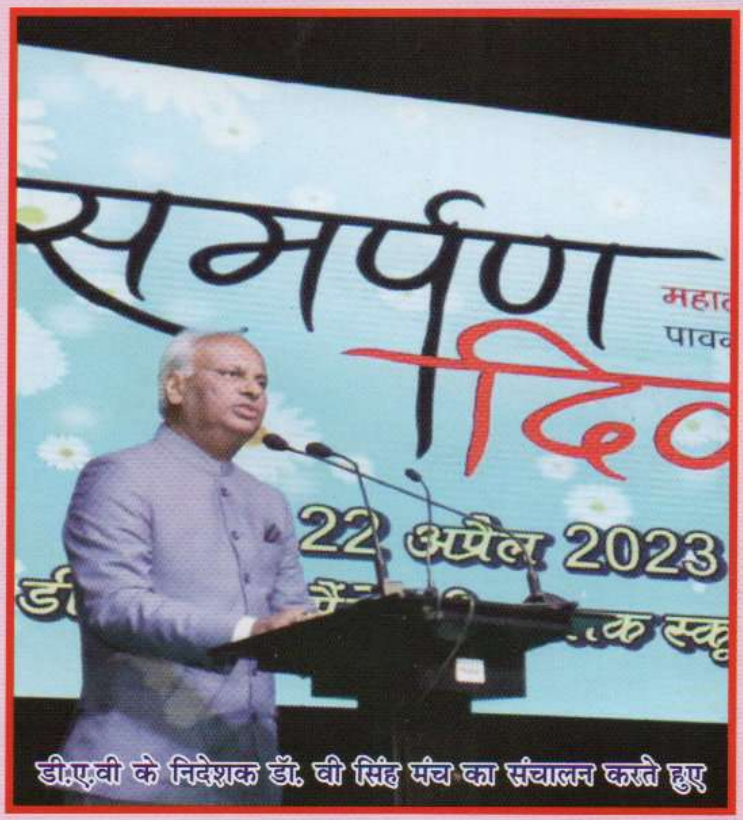

डी.ए.वी के निदेशक डॉ. वी सिंह मंच का संचालन करते हुए

अल्बीनिया से पधारे विशेष आमन्त्रित श्री बॉबी कंग का सम्मान करते हुए डॉ. पूनम सूरी

के सिद्धांतों और विचारों को युवा पीढ़ी को नहीं देंगे तब तक हमारा देश सोने की चिड़िया नहीं बन सकता। वेद के माध्यम से हम वायुयान बना सकते हैं लेकिन हमारा मकसद लोगो के चरित्र को उज्ज्वल बनाना है। धर्म कोई संप्रदाय नहीं है, धर्म कर्तव्य है नियम है, बच्चों को कर्तव्य का ज्ञान दो ताकि वह राष्ट्र निर्माण में और भारत को विश्व गुरु बनाने में अपना योगदान दे सकें। डीएवी का हर शिक्षक धर्म शिक्षक है। तप का असली अर्थ है- हर हाल में गरीबी अमीरी, आंधी और तूफान में कर्म करना। यज्ञ तथा वेद प्रचार का कार्य अनवरत जारी रहना चाहिए। डीएवी संस्था के प्रधानाचार्य कर्म कर रहे हैं तभी डीएवी संस्थाएं राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उक्त वक्तव्य देते हुए डॉ.पूनम सूरी जी ने दर्शकों को संबोधित किया। महात्मा हंसराज जी द्वारा किराए के दो कमरों से शुरू हुए डीएवी के कार्य की पताका आज पूरे विश्व में लहरा रही है। इस अवसर पर आर्य जगत और आर्य हेरिटेज पुस्तको का विमोचन भी किया गया। प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं श्री विनय आर्य महासचिव आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली को विशिष्ट सम्मान से अलंकृत किया गया। स्वामी विवेकानंद सरस्वती जी कुलाधिपति गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ ने अपने आशीर्वचनों की वर्षा की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महात्मा हंसराज जी के जीवन चरित्र को उभारता तात्कालिक परिस्थितियों के बीच देशभक्ति की भावना के साथ-साथ एक सुदृढ़ समाज तथा सुदृढ़ संकल्प व समर्पण भाव की नींव रखता कार्यक्रम, सांस्कृतिक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इस नाटिका को डीएवी हरिद्वार, डीएवी देहरादून व बीएम डीएवी, हरिद्वार के 1000 विद्यार्थियों ने मंच पर एक साथ उत्साहपूर्वक प्रस्तुत किया। इसमें महात्मा हंसराज जी के जीवन संघर्ष, सामाजिक सेवा, देशभक्ति और स्वामी दयानंद जी के सपनों को साकार करने के लिए महात्मा जी के समर्पण एवं त्याग को प्रस्तुत किया गया। नृत्य और नाटक का सुंदर सामंजस्य छः मंचों पर एक साथ प्रदर्शित किया गया। हरिद्वार वासियों के लिए महात्मा हंसराज समर्पण दिवस के भव्य आयोजन को देखने का यह पहला सुनहरा अवसर था। कार्यक्रम की भव्यता ने दर्शकों को इतना मंत्रमुग्ध कर दिया कि 10000 लोगो की सभा में सन्नाटा छा गया। इस कार्यक्रम के अंत में तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। इसके बाद हुई आतिशबाजी ने सम्पूर्ण नभ को प्रकाशित और गुँजायमान कर कार्यक्रम में चार-चांद लगा दिए जिसे देखकर सभी उपस्थितजन स्तब्ध एवं अचम्भित रह गए। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ से हुआ।

सभी प्रतिष्ठित अतिथियों और अभिभावकों ने शानदार रात्रिभोज का आनंद लिया। सभी ने कार्यक्रम की भूरी-भूरी सराहना की।

डी.ए.वी के चुने हुए प्रधानाचार्यों को महात्मा हंसराज अवार्ड से सुशोभित करते हुए डॉ. पूनम सूरी

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा एवं श्री विनय आर्य, मन्त्री, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का विशेष सम्मान डॉ. पूनम सूरी द्वारा

डी.ए.वी हरिद्वार के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति
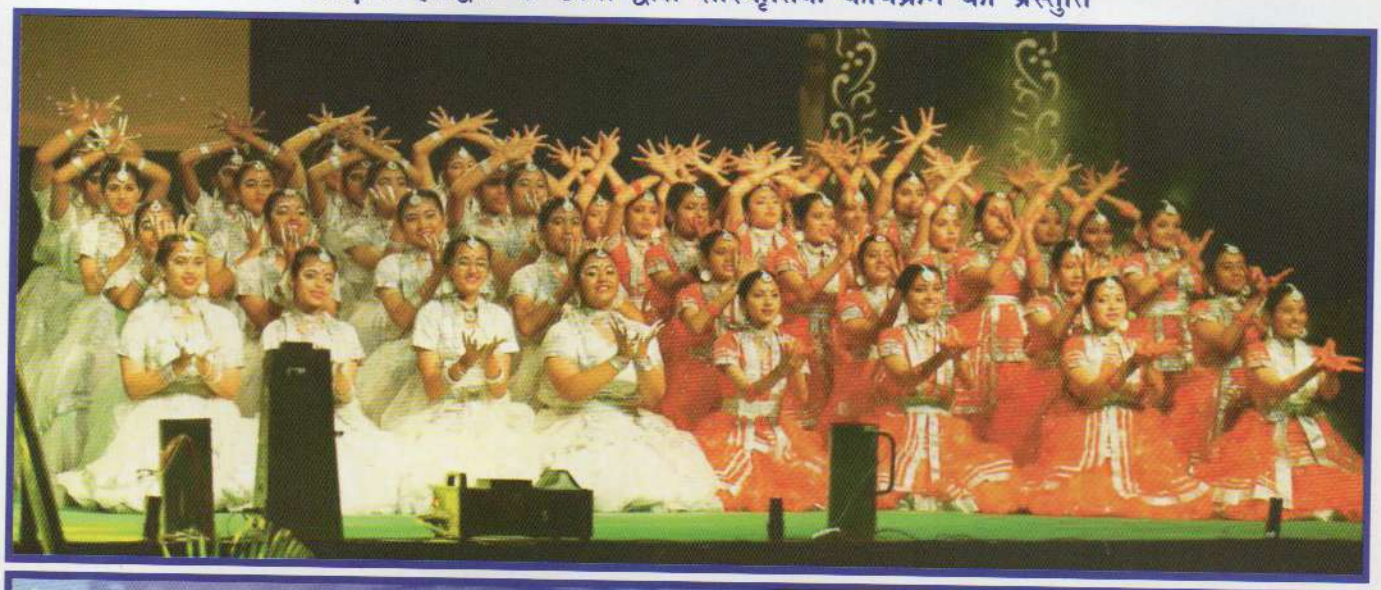
समर्पण दिवस समारोह में उपस्थित जन समूह

वेद व्याख्यान एवं भजन संध्या

संङ्गतिकरणम्

महर्षि दयानंद की तपस्थली एवं कर्मस्थली वैदिक मोहन आश्रम भूपतवाला, हरिद्वार में पाखंड खंडनी पताका के तले महात्मा हंसराज जी के 159 में जन्म स्मृति दिवस का भव्यता पूर्वक आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की पूर्व संध्या पर वेद-व्याख्यान एवं प्रभु भक्ति रस से युक्त भजन संध्या का एक विशेष आयोजन आयोजित किया गया। इस आयोजन का विशेष नाम था, 'संगतिकरणम्'

इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम देवयज्ञ से हुआ। जिसमें डीएवी प्रबंधकर्तृ समिति के सम्मानित प्रधान जी पद्म श्री अलंकृत आर्य रत्न डॉ. पूनम सूरी जी के नेतृत्व में बीएम डीएवी विद्यालय के छात्रें एवं शिक्षकों ने इस यज्ञ का सफल आयोजन किया। इसके पश्चात 'संगतिकरणम्' नामक विशेष कार्यक्रम का आरंभ हुआ सर्वप्रथम मंत्रोच्चारण एवं दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ अतिथि एवं विद्वान जनों के स्वागत के पश्चात कार्यक्रम में विशिष्ट गरिमामयी उपस्थिति के रूप आदरणीय श्री प्रधानजी रहे प्रधानजी का स्वागत वैदिक मोहन आश्रम के सचिव डॉ.वी. सिंह जी ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के ऊर्जावान मंत्री डॉ. विनय आर्य जी जिन्होंने आर्य समाज के विराट स्वरूप को बहुत ही सुंदर और विस्तृत रूप से ऐतिहासिक रूप से प्रस्तुत किया और आर्य समाज के व्यापक स्वरूप से आर्य समाज के विभिन्न गतिविधियों से सबको परिचित करवाया। पश्चात आर्य जगत के उद्भट् विद्वान अंतर्राष्ट्रीय वैदिक प्रवक्ता आदरणीय डॉ. वागीश जी का सारगर्भित व्याख्यान संपन्न हुआ, जिसमें उन्होंने सरलता से संगतिकरणम् की व्याख्या सबको समझाई, और कहा कि संगतिकरणम् का अर्थ है जहां जाकर के सब लोगों की गति ठीक हो जाती है और ठीक गति से ही प्रगति हो सकती है, समभाव के साथ संगठन के साथ मिलकर के हम श्रेष्ठ कार्य को जब संपन्न करते हैं, तो वह कार्य सबके लिए अनुकरणीय बन जाता है।

वैदिक मोहन आश्रम की प्रबन्धिका डक्कक्टर अल्पना शर्मा जी ने सभी आगंतुक अतिथियों विद्वज्जनों का वाचिक स्वागत किया। इस आयोजन में देश के विभिन्न डीएवी विद्यालयों से शिक्षक-शिक्षिका एवं प्रधानाचार्य गण पधारे हुए थे। कार्यक्रम बहुत ऊर्जा के साथ और विश्वास के साथ, नवनवीन संकल्पों के साथ संपन्नता की ओर आगे बढ़ा और बाद में वैदिक मोहन आश्रम के अधीनस्थ संचालित बीएम डीएवी विद्यालय की प्रधानाचार्या जी ने उन्मुक्त भाव से सभी आगंतुक अतिथियों का सभी प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों शिक्षिकाओं , छात्र छात्रओं का आभार प्रकट किया। शांति पाठ के साथ यह विशेष कार्यक्रम संपन्न हुआ।

संगतिकरणम् कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए डॉ. अल्पना शर्मा, प्रिं. डी ए वी मेरठ

डॉ. वागीश जी का सम्मान करते हुए डॉ. पूनम सूरी

श्री कुलदीप आर्य बिजनौर का सम्मान करते हुए डॉ. पूनम सूरी

संज्ञप्तिकरण कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. पूनम सूरी, डॉ. वी सिंह, उपप्रधान श्री मित्तल

श्रीमती मणी सूरी का सम्मान करते हुए डॉ. वी सिंह

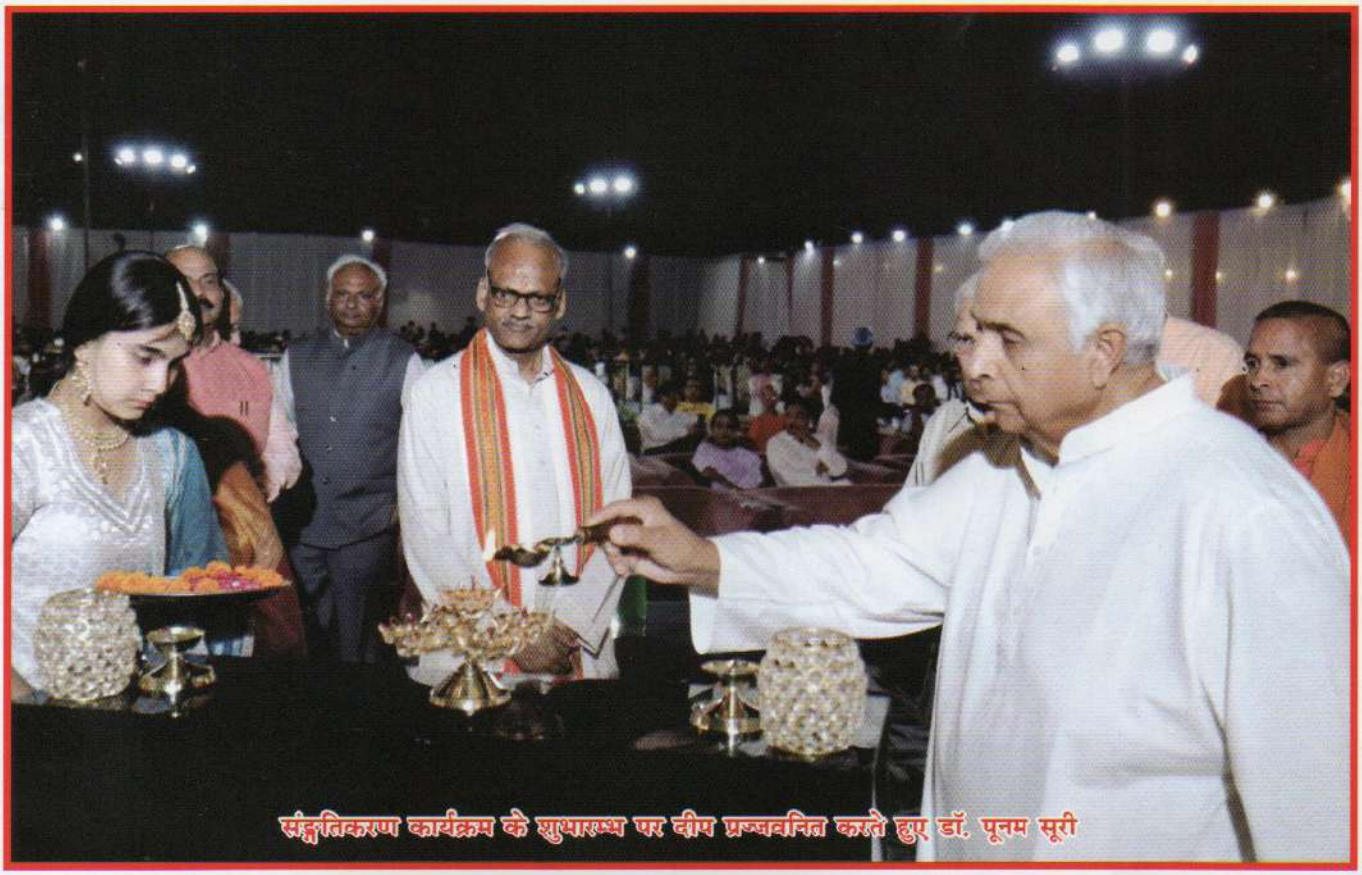

संस्कृतिकरण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर दीप प्रज्जवलित करते हुए डॉ. पूनम सूरी

वैदिक मोहन आश्रम की ऐतिहासिक यज्ञशाला में यज्ञ करते हुए डॉ. पूनम सूरी श्री विनय आर्य,
श्री अजय सहगल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति। (यज्ञ का संचालन डी.ए.वी हरिद्वार के छात्रों द्वारा किया गया)

भजन प्रस्तुत करते हुए श्री कुलदीप आर्य, बिजनौर

डी.ए.वी हरिद्वार के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

टंकारा ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के लिए आप निम्न प्रकार से सहयोग कर सकते हैं

परिवार के एक बालक को गुरुकुल में पढ़ाएं अथवा गुरुकुल के एक ब्रह्मचारी का वार्षिक व्यय 20,000/- रुपये देवें

❑❑❑

गौ-दान : महा-दान–उपदेशक विद्यालय के ब्रह्मचारियों की पर्याप्त मात्रा में दूध की व्यवस्था हेतु एक गऊदान करें अथवा 75,000/- रुपये की सहयोग राशि गऊ हेतु देवें।
(तीन व्यक्ति मिलकर भी 25,000/- प्रति व्यक्ति भी दे सकते है।)

❑❑❑

गऊ पालन एवं पोषण हेतु 12,000/- रुपये का हरा चारा एवं पौष्टिक आहार की व्यवस्था (एक गऊ का वार्षिक व्यय)

❑❑❑

1000/- रुपये की सहयोग राशि देकर स्वामी दयानन्द सरस्वती जन्मभूमि के सहयोगी सदस्य बनें। यह राशि आपको प्रतिवर्ष देनी होगी। इसलिए अपना पूरा पता अवश्य लिखवायें।
जो दान देवें उसके अतिरिक्त यह 1000/- रूपये राशि अवश्य देवें।

❑❑❑

श्री ओंकारनाथ महिला सिलाई-कढ़ाई केन्द्र की बेटियों द्वारा बनाए गए सामान को क्रय करके सहयोग कर सकते हैं।

❑❑❑

ब्रह्मचारियों के एक सत्र का भोजन 20,000/- रुपये की सहयोग राशि देकर।

❑❑❑

ऋषि बोधोत्सव पर 1,50,000/- रुपये की सहयोग राशि देकर एक सत्र के भोजन में सहयोग

❑❑❑

20,000/- रुपये की सहयोग राशि प्रति वर्ष किसी एक दिन का (जन्मदिवस अथवा स्मृति दिवस) ब्रह्मचारियों का भोजन देकर सहयोग कर सकते है।

❑❑❑

ब्रह्मचारियों के पहनने हेतु सफेद कपड़ा एवं दैनिक प्रयोग में आने वाली वस्तुएं देकर

टंकारा ट्रस्ट को दी जाने वाली राशि आयकर से मुक्त है।

यह दान नकद/चैक/ड्राफ्ट/मनीऑर्डर द्वारा **''श्री महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मारक ट्रस्ट टंकारा''** के नाम दिल्ली कार्यालय आर्य समाज (अनारकली) मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली-110001 अथवा श्री महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मारक ट्रस्ट टंकारा जिला-मौरबी-363650 (गुजरात) के पते पर भिजवाकर पुण्यार्जन करें। आप सहयोग राशि **खाता न. 4665000100001067, पंजाब नैशनल बैंक, IFSC CODE PUNB0015300** में जमा करा सकते हैं। जमा की गई सहयोग राशि, तिथि एवम् पते की सूचना मो. 09560688950 पर देवें।

–:निवेदक:–

योगेश मुंजाल
कार्यकारी प्रधान

अजय सहगल
मन्त्री (मो. 9810035658)

उपकार्यालय: आर्य समाज अनारकली मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली-110001 सम्पर्क: 09560688950 (व्यवस्थापक)

आर्यरत्न डॉ. पूनम सूरी को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय ने डी.लिट् की मानद उपाधि से विभूषित किया

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्व विद्यालय की ओर से दिनांक 17 जून 2023 को आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह पर आर्यरत्न डॉ. पूनम सूरी (कुलाधिपति, डी.ए.वी. विश्वविद्यालय, जालन्धर, प्रधान डी.ए.वी. प्रबंधकर्त्री समिति एवं प्रधान, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली को डी. लिट् मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

यह उपाधि डॉ. पूनम सूरी द्वारा राष्ट्रीय विकास में, सामाजिक सुधारों के विकास क्षेत्र में की गयी महत्त्वपूर्ण सेवाओं के लिए दी गई। उपाधि वितरण करते समय पढ़े गये पत्र में यह कहा गया किया कि डॉ. सूरी के नेतृत्व में दहेज प्रथा के उन्मूलन, भ्रूण हत्या के विरोध, भ्रष्टाचार, चरित्र निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों के तर्कपूर्ण प्रयोग, मानवाधिकार एवं ऐसे कई मुद्दों पर प्रभावी और सफल प्रयास किए गये हैं। यह भी कहा गया कि डॉ. सूरी शिक्षा के क्षेत्र में दूरगामी कदम उठाने में एक अनन्य क्षमता रखते हैं। शिक्षा व्यवस्था को नये आयाम देने का माग्र प्रशस्त करने के लिए डॉ. सूरी के नेतृत्व में अनेकों क्रांतिकारी कदम उठाए जा रहे हैं, जो विश्व भर में शैक्षणिक संस्थाओं के लिए एक आदर्श बनकर उभरे हैं।

स्वभाव से ही विन्र आर्यरत्न डॉ. पूनम सूरी जी ने डी. लिट् की उपाधि से किए गये इस अलकरण के लिए उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और उपकुलाधिपति का धन्यवाद करते हुए कहा कि ये सब डी.ए.वी. परिवार की निष्ठा और कर्त्तव्य-परायणता का प्रतिफल है और मैं इसका श्रेय डी.ए.वी. के प्रत्येक सदस्य को देना चाहता हूँ।

मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक-अजय सहगल द्वारा मयंक प्रिंटर्स, 2199/63, नाईवाला, करोल बाग, नई दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 से छपवाकर कार्यालय महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मारक ट्रस्ट टंकारा, आर्य समाज (अनारकली), मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 23360059, 23362110 से प्रकाशित। संपादक : अजय